9. निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण प्रस्तुत कीजिए :

(क) यमक

(ख) विभावना

(ग) उपमा

(घ) भ्रान्तिमान

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. संस्कृत नाटक के उद्‌भव सम्बन्धी सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए।

11. महाकवि भास के काल निर्णय पर एक लेख लिखिए।

12. नीतिकथा किसे कहते हैं ? नीतिकथा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

13. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के नायक उदयन की चारित्रिक विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

SA–01

June – Examination 2023

B.A. (Part I) Examination

SANSKRIT

(Natak, Katha-Sahitya, Chhand Evam Alankar)

नाटक, कथा-साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper : SA-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) शुक्ल यजुर्वेद में उल्लेखित 'शैलूष' शब्द का क्या अर्थ है ?

(ii) अविमारक कितने अंकों का रूपक है ?

(iii) 'वस्तु नेता रसस्तेषां भेदकः' यह किस ग्रन्थ से उद्धृत है ?

(iv) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक में सम्पूर्ण घटनाओं का सूत्रधार कौन है ?

(v) 'व्यवहारेण मित्राणि जायन्ते रिपवस्तथा' यह वाक्य हितोपदेश ग्रन्थ के किस कथा की नैतिक शिक्षा है ?

(vi) 'छन्दोऽनुशासनम्' ग्रन्थ के प्रणेता कौन हैं ?

(vii) काव्यालंकार की किसी **एक** टीका का नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) परिहरतु भवान् नृपापवादं
न परूषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम्।
नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते,
वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति॥

अथवा

(ब) कामेनोज्जयिनीं गते मयि तदाकामप्यवस्थां गते
दृष्ट्वा स्वैरमवन्तिराजतनयां पंचेषवः पातिताः।
तैरद्यापि सशल्यमेव हृदयं भूयश्च विद्धा वयं
पंचेषुदर्मदना यदा कथमयं षष्ठः शरः पातितः॥

3. वर्णिक एवं मात्रिक छन्दों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. 'स्वप्नवासवदत्तम्' की अभिनेयता की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

5. 'कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना, चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्ति।' स्वप्नवासवदत्तम् की इस सूक्ति की विशद व्याख्या कीजिए।

6. भास रचित 'प्रतिमा' नाटक का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

7. निम्नलिखित छन्दों में से किन्हीं **दो** छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण प्रस्तुत कीजिए :

(क) स्रग्धरा

(ख) उपजाति

(ग) मालिनी

(घ) शिखरिणी

8. व्याघ्र एवं पथिक की कथा का सारांश एवं शिक्षा लिखिए।